

	Mahatma Gandhi University Kottayam
---	---

Programme					
Course Name	आओ, हिंदी बोलें (Let's Speak Hindi)				
Type of Course	SEC				
Course Code	MG4SECHIN200				
Course Level	200-299				
Course Summary	This course is intended to lay a strong foundation of the language by developing good listening skills. Communication skills are enhanced with listening and repeating what we listen. Grammar lessons are embedded with the spoken language which will be described in the later stage. This will provide a practical approach for the course.				
Semester	4	Credits			Total Hours
Course Details	Learning Approach	Lecture	Tutorial	Practicum	
		3	0	0	45
Pre-requisites, if any	Ability to read and write Hindi is a must. Listening is important to develop the speaking skills. Basic knowledge of language will help to make use of the study material and enrich the vocabulary. Consistent practice is very important in this Skill Enhancement Course.				

MGU-UGP (HONOURS)

COURSE OUTCOMES (CO)

CO No.	Expected Course Outcome	Learning Domains *	PO No
Upon the completion of the course, the student will be able to:			
1	<i>Develops</i> vocabulary by repeating, and <i>memorising</i> words with different things. Developing a skill to <i>list</i> and <i>relate</i> vocabulary through <i>repeating</i> and <i>recalling</i> them.	K, U	1, 2
2	<i>Repeat</i> small sentences, by <i>memorizing</i> examples enables the student to <i>paraphrase</i> . <i>Describe</i> or <i>report</i> actions to identify them and <i>translate</i> to develop effective communication skills in Hindi.	K,U, A, An	1,2,4
3	<i>Brushing up</i> of the Parts of speech to use them in the context by choosing the correct preposition, write sentences and illustrate them.	A,An	4,5,6
4	<i>Developing</i> a strong foundation of the language by <i>comparing</i> and <i>differentiating</i> sentences of different tenses. Distinguishing different kind of tenses, question	E,C,S	5,6,7,8,9

	words and phrases enhances the usage of language in the correct context.		
5	<i>Development of social relationships through enhanced communication skills by constructing new sentences, developing creative writing and evaluation skills. Enhanced Comparative and appreciation skills will provide the ability for creative writing.</i>	C,S,I,Ap	6,7,8,9,10
*Remember (K), Understand (U), Apply (A), Analyse (An), Evaluate (E), Create (C), Skill (S), Interest (I) and Appreciation (Ap)			

COURSE CONTENT

Content for Classroom transaction (Units)

Module	Units	Course description	Hrs	CO No.
			15	
1	1.1	सरल गीत /कविता 1. सर्वनाम – 1. मेरा- आपका 2. प्रश्नवाचक सर्वनाम - 1. क्या? कौन 3. वस्तुओं का परिचय - पुल्लिंग/ स्त्रीलिंग शब्द 4. सरल वाक्यों का गठन - पुल्लिंग/ स्त्रीलिंग शब्दों से 5. है/ नहीं है - जी हाँ / जी नहीं 6. सर्वनाम -2 तू/तुम/आप /मैं 7. अव्यय -1 यहाँ, वहाँ,कहाँ, और कहीं, यहीं कहीं, हर कहीं 8. गिनती 1 -20,30,40,50	5	1,2,5
	1.2	1. सरल गीत /कविता 2. क्रियापदों का परिचय 3. सरल वाक्य गठन - संज्ञा /सर्वनाम + क्रियापदों से 4. काल-1, सामान्य	5	1,2,5

		वर्तमानकाल 5. समय- सवा/साढ़े/ पौने /डेढ़, ढाई 6. नाप-तोल - पाव, आधा.... किलो, सेर 7. कारक -1 संबंध कारक - का/के/की 8. सर्वनाम+ का/के/की 9. लघु कहानी - प्यासा कौवा (वाचन एवं अभिनय)		
	1.3	1. छोटी कविता/ गाना 2. क्रियापदों के रूप - आज्ञा/ अनुरोध - (तू/तुम/ आप के साथ) 3. प्रश्नवाचक सर्वनाम - कितना/कितने/कितनी 4. बहुवचन (संज्ञा) बहुवचन (सर्वनाम) 5. सप्ताह के दिन, आज/ कल/परसों 6. प्रश्नवाचक सर्वनाम- 3 - कब ? 7. शिष्टाचार 8. लघु कहानी -	5	1,2,5
			15	
2	2.1	1. छोटी कविता/ गाना 2. कारक-2 अधिकरण कारक- में, पर 3. अव्यय - के सामने / के आगे, के पीछे, दाएँ, बाएँ, ऊपर, नीचे, दूर, पास, 4. कारक-3 कर्म कारक - को (प्रत्यक्ष/ अप्रत्यक्ष कर्म कारक) 5. कारक :4. करण कारक - से	5	1,2,4

		6. अव्यय - और, भी, ही, 7. तुलना जैसा/जैसे/जैसी...सा 8. रुचिवाचक शब्द : मीठा, कड़ुआ, तीखा, नमकीन, खट्टा.... 9. लघु कहानी		
	2.2	1. छोटी कविता/ गाना 2. कारक – 5. अपादान कारक - से 3. प्रश्नवाचक शब्द 6 - कैसा/ कैसे/ कैसी? 4. क्रिया विशेषण - धीरे, तेज़..... 5. जानवरों और फूलों के नाम 6. अव्यय - पिछले..... आगामी 7. अव्यय- के साथ, के बिना, के सिवा, के साथ 8. अव्यय- कि	5	2,4,5
	2.3	1. कारक-6 सम्प्रदान कारक - को, के लिए 2. प्रश्नवाचक शब्द-7 क्यों ? 3. अव्यय- इसलिए, अतः 4. काल-2: सामान्य भूतकाल 5. कारक- 6. कर्ता कारक - ने 6. अव्यय- लेकिन, अगर, मगर अव्यय - पहले...बाद में सामान्य भविष्यत् काल लघु कहानी	5	2,4,5
			15	
3	3.1	1. छोटी कविता/ गाना 2. काल-3: सामान्य भविष्यत् काल 3. अव्यय यदि.... तो, जब.... तब, जहाँ...वहाँ, या तो..... नहीं तो, जो, जैसा... वैसा.... कैसा	4	2,3,4,5

		4. बंधुजनों का परिचय , - 5. अपना परिचय , - 6. शरीर के अंग 7. आभूषणों के नाम 8. रंगों के नाम लघु कहानी		
	3.2	1. छोटी कविता/ गाना 2. संदिग्ध वर्तमान काल 3. अपूर्ण वर्तमान काल 4. आसन्न भूतकाल 5. पूर्ण भूतकाल 6. अपूर्ण भूतकाल लघु कहानी	5	2,4,5,9
	3.3	1. छोटी कविता/ गाना 2. संदिग्ध भूतकाल 3. सम्भाव्य भविष्यत् काल 4. हेतु हेतुमत भूतकाल 5. अपना परिचय 6. लघु कहानी	6	2,4,5,9
4		Teacher Specific Content		

Teaching and Learning Approach	Classroom Procedure (Mode of transaction) 1. Interactive method with the help of ICT tools. 2. Repetition of examples 3. Interaction through charts & cards with Pictures 4. Listening and repetition of stories and rhymes related to each module 5. Study material 6. Question- Answer sessions 7. Plays & interactive sessions 8. Text based exercises 9. Group discussions 10. Assignments
---------------------------------------	--

Assessment Types	MODE OF ASSESSMENT			
	A.Continuous Comprehensive Assessment (CCA)- 25marks Oral examination(Conversation) -5marks Recitation of rhymes/Poems/ songs -2marks Narration of stories -5 marks Word power test/Sentence making test-3marks Presentation of small plays – 10 marks			
	B. Semester End Evaluation (ESE)- 50 Marks			
	Type	Questions	Mark	Section Total
	MCQs	10	1	10
	Fill in the blanks	5	1	5
	Match the following /Frame the sentence	5	1	5
	Correct the sentence	10	1	10
	Short answer questions	5	1	5
	Outline story	1	5	5
	Short Essay	1	5	5
	Comprehension	1	5	5

References

- पं. कामता प्रसाद गुरु, 1978, हिंदी व्याकरण
- कपूर, बद्रीनाथ, 1992, हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति
- कुमार, कविता 2006 हिंदी व्याकरण : एक नवीन दृष्टिकोण
- चौधरी, तेजपाल, 2003, हिंदी व्याकरण विमर्श
- टंडन पूरनचंद, अग्रवाल मुकेश, 2007, हिंदी भाषा: कल आज कल
- तरुण, हरिवंश, 2010, मानक हिंदी व्याकरण और रचना
- तिवारी, भोलानाथ, 2004, हिंदी भाषा की संरचना
- पाण्डेय अनिल कुमार, 2010, हिंदी संरचना के विविध पक्ष
- बालचंद्रन लक्ष्मीबाई, 1988, हिंदी का कारक व्याकरण
- भाटिया कैलाशचंद्र, 2008, हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण
- वर्मा रामचंद्र, 2005, अच्छी हिंदी
- वाजपेयी किशोरीदस, 1998, हिंदी शब्दानुशासन
- श्रीवास्तव रवींद्रनाथ, 2008, हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम
- सिंह पर्णदत्त, 1999, व्याकरणशास्त्रीय परिभाषाएँ एवं अनुशीलन
- सिंह, सूरजभान, 2000, हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण